आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :523 पृष्ठ –4 दिनांक 13 जुलाई 2025 दिन रविवार

लखनऊ, कानपुर सहित इन जिलों में बारिश का अलर्ट

घर से बाहर निकलने से पहले जान लें मौसम का हाल

इन दिनों पूरे उत्तर भारत में बारिश और बाढ़ का कहर जारी है. उत्तर प्रदेश में बा. रिश की वजह से कई नदियां उफान पर चल रही है. वहीं एक बार फिर उत्तर प्रदेश में मौसम को लेकर आईएमडी ने अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने आज 12 जुलाई 2025, को लेकर अलर्ट जारी किया है. आईएमडी की तरफ से जारी अनुमान के मुताबिक, 12 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है. इसके साथ ही कुछ इलाको में भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग लखनऊ के मुताबिक, आज पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ–कुछ इलाकों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है. इसके साथ ही कहीं–कहीं भारी बारिश की संभावना जताई है. मौसम विभाग ने बरसात के दिनों में लोगों को बेहद सावधानी बरतने की सलाह दी है. मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि बाढ़ग्रस्त और निचले इलाकों से दूर रहें. इसके साथ ही आकस्मिक बाढ़ वाले क्षेत्रों

से दूर रहें और पेड़ों का सहारा लेने से बचें.यूपी के इन शहरों के लिए चेतावनी जारीमौसम विभाग ने आज 12 जुलाई को उत्तर प्रदेश के लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, कानपुर देहात, कानपुर नगर, औरैया और जालौन के लिए चेतावनी जारी किया है. इसके अलावा कन्नौज, इटावा, रायबरेली, फतेहपुर, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर, अमरोहा, मेरठ और बि. जनौर में अलर्ट रहने के लिए कहा गया है. इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर सहित अन्य जिलों का मौसम आज सामान्य रहेगा. इन जिलों में हो सकती है हल्की बारिशइसके अलावा बात करें यूपी के मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, सीतापुर, हरदोई, गोंडा और अयोध्या के मौसम को लेकर स्थिति देखने वाली है. यहां तेज हवाओं से साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है. फिलहाल बारिश और बदलते हुए मौसम को देखते को आईएमडी ने लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है.

फतेहपुर में जुड़वा बच्चों संग अपने प्रेमी के साथ भागी पांच बच्चों की मां, नकदी और गहने भी ले गई साथ

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में प्रेमी के प्रेम में डूबी 5 बच्चों की मां अपने मासूम बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई. महिला अपने साथ रुपये और पूरे परिवार का जेवर भी साथ ले गई. बताया गया कि महिला का पति का अपने बच्चो की अच्छी परवरिश के लिए विदेश जा कर मजदूरी करता है. पति लाखों रुपये घर खर्च और बच्चों की पढ़ाई के लिए भेजता रहा. वहीं बच्चे मासूम बच्चे अपनी मां को ढूढने की गुहार लगाते हुए पुलिस के पास पहुंचे. इधर, पत्नी के प्रेमी के साथ भाग जाने की खबर लगते ही पति अपने बच्चों से मिलने के लिए सात समन्दर दूर फ्लाइट का इंतजार कर रहा है.जानकारी के मुताबिक, खागा तहसील के खखरेरू थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव के रहने वाले महेश कुमार अपने मासूम भतीजो और भतीजियों के साथ पुलिस अधीक्षक की चौखट पहुंचे. महेश पुलिस अधिकारियों को बताया कि मेरे बड़े भाई उमेश की शादी 13 वर्ष पहले सुनीता देवी के साथ हुई, भाई उमेश गांव में ही रहकर खेती बाड़ी करता रहा और उसके 5 बच्चे हैं जिनके नाम ओमप्रकाश(10 वर्ष) राधिका (8 वर्ष) सुमन (6 साल) करण (3 वर्ष) और अर्जुन (2 वर्ष) है. अब 5 बच्चों का भरण पोषण करना मुश्किल हुआ तो भाई को बच्चों की पढ़ाई लिखाई और अच्छी परवरिश की चिंता सताने लगी तो सऊदी अरब जा कर मजदूरी शुरू कर दिया.भाई के भेजे पैसों से करती थी मौजबच्चों के चाचा महेश ने बताया कि, उमेश (भाई) वहीं से मजदूरी कर बच्चों को पढ़ाने के लिए बीते दो वर्षों से लगातार रुपयेभेजता रहा, बच्चों को सुनीता ने अच्छे स्कूल में न भेजकर गांव के स्कूल में ही एडमिशन करा दिया. भाई के भेजे रुपयों से प्रेमी के साथ गुलछर्रे उड़ाने में मस्त हो गई. जब भाभी पर प्रतिबंध लगाना शुरू हुआ तो उसका चोरी छिपे प्रेमी से मिलना शुरू रहा. दो बच्चों को भी अपने साथ ले गई महिलापीड़ित के भाई महेश ने बताया कि, भाभी सुनीता अपने नाबालिग एक लड़का और दो लड़कियों को छोड़कर दो छोटे मासूम बच्चे करण और अर्जुन को लेकर फरार हो गई. वह अपने साथ भाई उमेश के द्वारा भेजे गए 4 लाख 50 हजार और और घर में रखे 45 हजार रुपये और मां के जेवर लेकर फरार हो गई. पीड़ित के भाई ने यह भी बताया कि काफी खोजबीन के बाद जब वह (भाभी) नहीं मिली तो खखरेरू थाने में 7 दिन पहले पहुंचकर शिकायत की लेकिन थाने में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की. इसके बाद एसपी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की है.

सनातन को मिटाने की बात..., अखिलेश के कांवड़ियों वाले बयान पर जमकर बरसे आचार्य प्रमोद कृष्णम

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोला. उन्होंने कहा अखिलेश यादव दूसरों को सलाह ना देकर के पहले खुद कांवड़ियों की सेवा करें बताएं सावन के महीने में कितने कांवड़ियों के पांव दबाएंगे. आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ तो कांवड़ियों के ऊपर पुष्प वर्षा करने का काम कर रहे हैं देश की आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कांवड़ियों की श्रद्धा का सम्मान किया. अखिलेश यादव द्वारा 2027 में सरकार बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अखिलेश 2017 में भी कहते थे जब राहुल गांधी और अखिलेश साथ में थे, उन दो लड़कों की जोड़ी का क्या हुआ. बड़ा सवाल यह है सत्ता कौन देता है, सत्ता जनता देती है. जनता के हृदय में उतरना पड़ेगा और समाज को बांट कर जातियों के नाम पर नंगा नाच जो हो रहा है मुझे नहीं लगता देश की और प्रदेश की जनता इसको स्वीकार करेगी.यह दौर राष्ट्र और धर्म का दौर हैआचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा यह दौर राष्ट्र और धर्म का दौर है सनातन का दौर है. सनातन को मिटाने की बात करोगे और देश में सत्ता पाने की बात करोगे यह दोनों एक साथ नहीं चलेगा. वहीं आचार्य प्रमोद कृष्ण ने कहा आज सावन का पहला दिन है सबको अभिषेक करना चाहिए सनातन धर्म को मानने वाले सभी लोगों को मैं बधाई देता हूँ. जहां तक नाम का सवाल है जीवन से लेकर मृत्यु तक हर जगह नाम है, स्कूल में नाम थाने में जाओ नाम, पासपोर्ट में जाओ नाम, वोटर लिस्ट में नाम, नौकरी मिले तो नाम, सस्पेंड हो तो नाम, नाम के बिना कुछ नहीं है. जो लोग नाम छुपा कर धंधा करना चाहते हैं वह लोग गुनाह कर रहे हैं, वह संविधान को धोखा दे रहे हैं और सरकार को धोखा दे रहे हैं अपने आप को धोखा दे रहे हैं. धर्म को धोखा दे रहे हैं परमात्मा को धोखा दे रहे हैं. किसी भी धर्म में झूठ बोलने की इजाजत नहींउन्होंने कहा कांवड़ियों के जो इस तपस्या को झूठ बोलकर भंग करना चाहते हैं. मैं इसका समर्थन नहीं करता लेकिन किसी भी धर्म में झूठ बोलने की इजाजत नहीं है किसी भी धर्म की बुनियाद झूठ पर खड़े होकर इमारत नहीं बनती. इसलिए जो लोग अपना नाम छुपाना चाहते हैं मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं डंके की चोट पर अपना नाम लिखें जिसकी मर्जी होगी जहां से सौदा खरीदना होगा खरीदेगा.अखिलेश यादव विदेशी कल्चर से प्रभावित हैंअखिलेश यादव के अधिकारियों पर दिए ब्यान पर पलटवार करते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अखिलेश यादव का जो परिवार है वह जरा धार्मिक परिवार है. मैं उनके परिवार का सम्मान करता हूं, अखिलेश यादव विदेशी कल्चर से प्रभावित हैं. अखिलेश यादव वाकई अपनी पार्टी को ताकतवर बनना चाहते हैं तो जनमानस के हृदय में जाना पड़ेगा सबका सम्मान करना पड़ेगा.प्रदेश की जनता तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनाएगीउन्होंने कहा ईडीए–पीडीए से कुछ नहीं होगा, यह समाज को बांटने का जो षड्यंत्र कर रहे हैं यह हिंदुओं को बांटने का षड्यंत्र है. सनातन को बांटने का षड्यंत्र है, यह सफल नहीं होगा और 2027 में फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस प्रदेश की जनता तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनाएगी. अखिलेश यादव की सरकार थी तो महात्माओं पर डंडे बरसाते थे अखिलेश यादव की सरकार में कल्कि धाम के निर्माण पर पाबंदी लगाई गई थी जब अखिलेश यादव कहां थे.

यूपी में पंचायत चुनाव की तैयारियों को शुरू

लखनऊ उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। इसको लेकर मतदाता सूची में संशोधन की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। 18 जुलाई से मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। पंचायत चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची 15 जनवरी 2026 को जारी की जाएगी। इसके साथ ही, राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत चुनाव की तारीखों पर भी मंथन करना शुरू कर चुका है। अगले साल मार्च–अप्रैल में पंचायत चुनाव कराने की तैयारी चल रही है। इसके साथ ही प्रदेश में पंचायती चुनाव के जरिए तमाम राजनीतिक दल अपनी पकड़ जमीन पर मजबूत दिखाने की को. शिश करेंगे। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह एक बड़ा मौका तमाम दलों के पास है।यूपी पंचायत चुनाव 2026 के लिए तैयारियों की शुरुआत मतदाता सूची पुनरीक्षण से होने वाली है। राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने कहा कि किसी ग्राम पंचायत का आंशिक भाग अन्य ग्राम पंचायत या नगर निकाय में शामिल होने पर विलोपन और मतदाता सूची प्रिंट कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए बीएलओ, पर्यवेक्षकों को कार्य आवंटन की जानकारी, प्रशिक्षण के साथ स्टेशनरी का वितरण 18 जुलाई से 13 अगस्त तक होगा। राज्य भर में बीएलओ घर–घर जाकर गणना, सर्वेक्षण, हैंड रिटेन पांडुलिपि तैयार करेंगे। इसके अलावा एक जनवरी 2025 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले योग्य व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। इसके लिए 14 अगस्त से 29 सितंबर तक की तिथि तय की गई है। 14 अगस्त से 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन फॉर्मों की जांच घर–घर जाकर 23 से 29 सितंबर तक की जाएगी।मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्तन एवं संशोधन की प्रक्रिया 30 सितंबर से 6 अक्टूबर तक पूरी कराई जाएंगी। कंप्यूटराइज्ड पांडुलिपियां तैयार करने का कार्य 7 अक्टूबर से 24 नवंबर तक पूरा कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में किसी प्रकार की गड़बड़ी से भी निपटने की तैयारी कर रहा है।आयोग की ओर से मतदान केंद्रों एवं स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, वार्डों की मैपिंग का कार्य 25 नवंबर से 4 दिसंबर तक पूरा कराया जाएगा। 5 दि. संबर को अनंतिम मतदाता सूची का प्रक. ाशन होगा। एक जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी करने युवाओं के दावे और आपत्तियों को 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक स्वीकार किया जाएगा। इनका निस. तारण 13 से 19 दिसंबर तक होगा।युवा वोटरों की लिस्ट का कंप्यूटराइजेशन और मूल मतदाता सूची में उनको यथास्थान शामिल करने की कार्रवाई 24 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक होगी। मतदाता सूची को डाउनलोड और फोटोकॉपी कराने की कार्रवाई 9 से 14 जनवरी 2026 तक होगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 जनवरी 2026 को किया जाएगा।यूपी चुनाव 2027 से पहले पंचायत चुनाव 2026 सत्ता के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। तमाम राजनीतिक दलों को इस चुनाव के जरिए जमीन पर अपनी ताकत दिखाने का मौका होगा। पार्टी का संगठन जमीनी स्तर पर कितना मजबूत है, यह पंचायत चुनाव से दिखेगा। साथ ही, सत्ता पक्ष और विपक्ष के पास मुद्दों को जमीन पर उतारने का यह मौका होगा। इसके जरिए वह यूपी चुनाव की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। ऐसे में प्रदेश का पंचायत चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्रीय से लेकर क्षेत्रीय दल तक इसकी तैयारी में जुट गए हैं।

श्मशान घाट में महिला के साथ कार में इश्कबाजी करते पकड़े गए नेताजी, हाथ जोड़कर मांगने लगे माफी

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के शिक. ारपुर क्षेत्र से एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) केअनुसूचित जाति मोर्चा के जिला मंत्री राहुल वाल्मीकि को एक शादीशुदा महिला के साथ आपत्ति. जनक स्थिति में देखा गया है. यह घटना शिकारपुर कोतवाली क्षेत्र के कैलावन गांव स्थित श्मशान घाट के पास की बताई जा रही है.सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बीजेपी नेता राहुल वाल्मीकि अंडरगारमेंट में कार से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं और भीड़ को देखकर लोगों के पैर पकड़कर माफी मांगते नजर आ रहे हैं. उन्होंने लोगों से वीडियो न बनाने और उन्हें जाने देने की गुहार लगाई, जबकि उनके साथ मौजूद महिला ने दुपट्टे से चेहरा छिपाने की कोशिश की. यह घटना शुक्रवार (11 जुलाई) की शाम की बताई जा रही है, जब स्थानीय लोगों ने श्मशान घाट के पास एक संदिग्ध कार खड़ी देखी. शक होने पर उन्होंने कार की तलाशी ली और राहुल वाल्मीकि को महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया.इसके बाद लोगों ने तुरंत मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जिसके बाद यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो में राहुल बार–बार माफी मांगते और वीडियो न बनाने की अपील करते दिख रहे हैं. इधर राहुल वाल्मीकि के पिता का दावा है कि यह वीडियो 5–6 महीने पुराना है और इसे राजनीतिक साजिश के तहत वायरल किया गया है. वहीं बुलंदशहर के एसपी (देहात) डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में है और इसकी जांच की जा रही है. हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं हुई है, पुलिस वीडियो के आधार पर पहचान करने में जुटी है.

दांतों से खींचकर अनोखी कांवड़ ला रहा पहलवान

रुतबा गुर्जर, गौ माता के लिए शुरु की यात्रा

मेरठ के छत्रीगढ़ गढ़ी गांव निवासी रुतबा गुर्जर जो बजरंग दल से जुड़े हैं. इन दिनों एक अनोखी कांवड़ यात्रा पर निकले हैं. इनकी कांवड़ कोई आम कांवड़ नहीं, बल्कि दांतों से खींची जा रही एक बुग्गी है. जिसमें 101 लीटर गंगाजल रखा है, भोले रुतबा का उद्देश्य सिर्फ भोलेनाथ को जल अर्पित करना नहीं, बल्कि गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने की आवाज बुलंद करना भी है. रुतबा बताते हैं कि वे हर दिन 10 किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं और अब तक फॉर्च्यूनर, ट्रैक्टर, स्कॉर्पियो और कैंटर तक को दांतों से खींच चुके हैं.वह कहते हैं कि उनके दांतों में इतनी ताकत है कि वो 200 किलो तक का वजन उठा सकते हैं और 50 किलो वजन उठाकर 1 किलोमीटर की रेस भी 6 मिनट 6 सेकंड में पूरी कर सकते हैं. कुश्ती के अखाड़े में पसीना बहाने वाले इस किसान परिवार के बेटे का कहना है कि जब तक गौ माता को संवैधानिक मान्यता नहीं मिलती, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी. हरियाणा से आई बजरंग दल की

उनकी आठ लोगों की टीम भी इस यात्रा में साथ है.101 लीटर गंगाजल ले जाने का लिया है प्रण भक्ति का ऐसा रूप कम ही देखने को मिलता है. ये सिर्फ श्रद्धा नहीं, देश और संस्कृति से जुड़ा एक मजबूत संदेश है. जहां लोग कांवड़ यात्रा में भक्ति दिखाते हैं, वहीं मेरठ के रुतबा गुर्जर ने इस बार कुछ ऐसा किया जो सबको हैरत में डाल रहा है. हरिद्वार से निकले इस शिव भक्त ने अपने दांतों से खींचकर एक बुग्गी में 101 लीटर गंगाजल ले जाने का प्रण लिया है. उनका मकसद सिर्फ जल चढ़ाना नहीं, बल्कि गौ माता को 'राष्ट्रीय गौ माता' का दर्जा दिलवाना है.दांतों से 200 किलो तक का वजन उठा सकते हैं रुतबा गुर्जरबजरंग दल के कार्यकर्ता रुतबा कहते हैं कि 8 सालों से वे लगातार इस तरह की कठिन साधना कर रहे हैं. खेती–बाड़ी करने वाले रुतबा अखाड़े में पहलवानी करते हैं और कहते हैं कि वो दांतों से 200 किलो तक का वजन उठा सकते हैं. उनके साथ हरियाणा से आई बजरंग दल की एक टीम भी है, जो इस 180 किलोमीटर की यात्रा में उनका साथ दे रही है.

हाथरस में पिता ने बेटी के साथ दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी दी, मां ने आरोपी को भेजवाया जेल

हाथरसरू उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में रिश्तो को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपनी मासूम बेटी को ही अपनी हवस का शिकार बना लिया। आरोपी पिता अपनी 16 वर्षीय बेटी को ऊपर वाले कमरे ले गया। आरोपी पिता ने अपनी बेटी से मारपीट कर जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी पिता ने बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी।आपको बता दें कि पूरा मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के जलेसर रोड स्थित एक कॉलोनी का है। 10 जुलाई की दोपहर करीब 2 बजे एक पिता ने अपनी 16 वर्षीय बेटी को घर के कमरे में सोता देखा तो उसकी नियत खराब हो गई। आरोपी पिता अपनी बेटी को छत पर बने कमरे ले गया। यहां उसने अपनी बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की मां

जब बाजार से घर पहुंची तो बेटी ने अपनी उसको अपने साथ हुई पूरी घटना की जानकारी दी। पीड़िता की मां ने अपने पति के खिलाफ कोतवाली सदर में तहरीर दी।पीड़िता की मां ने शिकायत में कहा कि 10 जुलाई को मेरी बेटी कमरे में सो रही थी, तभी मेरा पति बेटी के कमरे में आया और उसको छत पर ऊपर वाले कमरे में ले गए। पति ने मेरी बेटी के साथ मारपीट करके जबरदस्ती दुष्कर्म किया। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया और आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मुजफ्फरनगर में काम कर रहे हाथरस के युवक की मौत ठेकेदार ने युवक का शव बिना पोस्टमार्टम कराए भेजा, परिजनों ने उठाए सवाल

हाथरस के सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव राइया, पोस्ट बसई काजी निवासी 38 वर्षीय कृष्ण वीर पुत्र लालाराम की मौत मुजफ्फरनगर में हो गई। वह वहां एक ठे. केदार के अधीन विद्युत हाई टेंशन लाइन जोड़ने का काम करता था। देर रात उसका शव बिना पोस्टमार्टम कराए गांव भेज दिया गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों में कोहराम मच गया और ग्रामीणों ने इसकी सूचना सासनी पुलिस को दी।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची सासनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजनों का कहना है कि किशनवीर की मौत के बारे में ठेकेदार ने कोई साफ जानकारी नहीं दी। न यह बताया गया कि वह हाई टेंशन लाइन की चपेट में आया या किसी और हादसे का शिकार हुआ।ठेकेदार पर लापरवाही के आरोपपरिजनों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार न केवल मौत का कारण छिपा रहा है, बल्कि खुद मुजफ्फरनगर से हाथरस तक नहीं आया। सिर्फ शव भिजवाकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। इस लापरवाही और संदिग्ध परिस्थिति को देखते हुए पोस्टमार्टम के जरिए मौत की असल वजह जानने की कोशिश की जा रही है।चार बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल मृतक किशनवीर अपने

पीछे पत्नी, माता–पिता और चार छोटे बच्चों को बिलखता छोड़ गया है। अचानक हुई मौत और हालातों की अस्पष्टता ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। गांव में भी इस घटना को लेकर आक्रोश और सवाल उठ रहे हैं।

हाथरस में युवक फर्श पर फिसलने से मौत लंबे से समय से बीमार चल रहा था, सिर में गंभीर चोट आने से तोड़ा दम

हाथरस के मुरसान कोतवाली क्षेत्र में एक घटना सामने आई है। नगला भाऊ गांव के 32 वर्षीय देवेंद्र की मौत हो गई। देवेंद्र पिछले कुछ समय से बीमार चल रहा था। देवेंद्र वाहन चालक था। बीमारी के कारण उसके शरीर में कमजोरी आ गई थी। घर में रहते हुए उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लग गई।परिजन तुरंत उसे प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां से उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। दोनों अस्पतालों में चिकित्सकों ने देवेंद्र को मृत घोषित कर दिया।परिजनों में मचा कोहराम. ..इस पर अस्पताल में ही परिजनों में को. हराम मच गया। इसके बाद परिजन शव को अपने साथ ले गए।देवेंद्र के आकस्मिक निधन से परिवार में शोक की लहर है। वह अपने परिवार का भरण–पोषण वाहन चालक के रूप में करता था।

कांवड़ यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था रूट डायवर्जन, स्वास्थ्य शिविर और सुरक्षा इंतजामय डीएम–एसपी ने की बातचीत

सावन महीने की शुरुआत के साथ हाथरस में कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। बड़े और मध्यम वाहनों के लिए रूट डायवर्जन लागू किया गया है। कांवड़ियों के लिए जगह–जगह शिविर स्थापित किए गए हैं। इन शिविरों में ठहरने और स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है।कुछ मार्गों पर सुरक्षित यात्रा के लिए सड़क पर मिट्टी से भरे बोरों की लेन बनाई गई है। डीएम राहुल पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक चिंरजीवनाथ सिन्हा ने संयुक्त रूप से विभिन्न स्थानों का दौरा किया। इनमें हतीसा बाई पास, तालाब चौराहा, आरटीओ कार्यालय, मैंडू, देवी नगर हाथरस जंक्शन, सलेमपुर, नगला रती, जलालपुर, पंत चौराहा और अगसौली शामिल हैं।डीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेट को शिफ्ट–वार तैनात कर्मचारियों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सु. निश्चित करने के निर्देश दिए। अनुपस्थित

कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश भी दिए गए।कांवड़ श्रद्धालुओं से की बात. चीत...शिविरों में प्रकाश, शुद्ध पेयजल, बैठने और विश्राम की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने कांवड़ श्रद्धालुओं से बात. चीत की और उन्हें सभी उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए शिविरों में दवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इस मौके पर अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

अलीगढ़ में 28 मजदूरों से भरी मैक्स लोडर अनियंत्रित होकर पलटी, 18 घायल अस्पताल में भर्ती

अलीगढ़रू उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के थाना अतरौली क्षेत्र में मजदूरों से भरी एक ओवरलोड मैक्स लोडर गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। गाड़ी के पलटने से उसमें सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। गाड़ी सवार लोगों की चीखपुकार सुनकर आस–पास के लोग मौके पर पहुंच गए और सभी को गाड़ी से बाहर निकाला गया। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।अलीगढ़ जिले के थाना अतरौली क्षेत्र के गांव हैबतपुर के नगरिया मोड़ के पास आज शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। धान की पौध रखने जा रहे 28 मजदूरों से भरी एक मैक्स लोडर गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। मैक्स लोडर के सड़क पर पलटने से मजदूरों में चीखपुकार मच गई। इस हादसे में करीब 18 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें नाबालिग मजदूर भी शामिल थे।राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा। हालांकि डॉक्टरों ने करीब 12 गंभीर घायलों को जेन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में मैक्स में सवार सभी मजदूर पूरी तरह से सुरक्षित हैं और जनहानि नहीं हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाड़ी काफी ज्यादा ओवरलोड थी। मैक्स गाड़ी में लगभग 28 लोग सवार थे। गांव हैबतपुर के नगरिया मोड़ के पास जैसे ही ड्राइवर ने गाड़ी को मोड़ पर मोड़ा तो वह अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इन दिनों धान की रोपाई का काम चल रहा है। इसके चलते लगभग 28 मजदूर मैक्स गाड़ी में सवार होकर अतरौली से बरला के गांव रामनगर की ओर जा रहे थे। इन सभी को वहां धान की रोपाई का ठेका मिला था।थाना अतरौली निरीक्षक सत्यवीर सिंह ने बताया कि मजदूर धान के खेतों में काम करने जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया था। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। कुछ लोगों के फ्रैक्चर हुए हैं, जिन्हें जेएन मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है।

प्राचीन भैरव मंदिर का सौंदर्यीकरण सदर विधायक और अधिकारियों ने किया निरीक्षण, जल्द पूरा होगा काम

हाथरस के मेंडू स्थित प्राचीन भैरव मंदिर का सौंदर्यीकरण कार्य चल रहा है। शनिवार को सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर और भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य ने अधिकारियों के साथ कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी बसंत अग्रवाल और उप जिलाधिकारी सदर भी मौजूद रहे।यह सौंदर्यीकरण कार्य मुख्यमंत्री की वंदन योजना के तहत हो रहा है। सदर विधायक ने पहले शासन को पत्र लिखकर इस मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि की मांग की थी। उन्होंने अपने पत्र में बताया था कि मेंडू नगर पंचायत में स्थित यह प्राचीन भैरव मंदिर धार्मिक और पौराणिक महत्व का स्थल है।निरीक्षण के दौरान महंत जी ने कुछ अधूरे कामों की जानकारी दी। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को इन कामों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। योजना के तहत मंदिर के साथ–साथ वहां जाने वाले रास्ते का जीर्णोद्धार भी किया जाएगा।

हाथरस में बारिश से जगह–जगह जलभराव कई इलाकों में नाले–नालियां ओवरफ्लो, बिजली गुलय लोगों का कामकाज प्रभावित

हाथरस में शनिवार की दोपहर करीब तीन बजे मौसम ने करवट ली और रिमझिम बा. रिश शुरू हुई, जो धीरे–धीरे तेज बरसात में बदल गई। लगभग आधा घंटे तक हुई इस बारिश से जहां लोगों को गर्मी और उमस से कुछ राहत मिली, वहीं शहर के कई इलाकों में जलभराव और बिजली आपूर्ति बाधित होने से परेशानियां भी देखने को मिलीं।शहर के कई इलाके जलमग्नबा. रिश के कारण चामड़ गेट, मोहनगंज, जलेसर रोड, सीयल खेड़ा, नाई का नगला, लाला का नगला और रमनपुर जैसे इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। बाजारों में नालियों के ओवरफ्लो होने से पानी सड़क तक आ गया, जिससे दुकानदारों और राहगीरों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां जलभराव नहीं हुआ, वहां कीचड़ फैल गया, जिससे फिसलन और गंदगी बढ़ गई।बिजली आपूर्ति भी हुई प्रभावितबारिश के दौरान कुछ स्थानों पर विद्युत लाइनों में फॉल्ट आ गया, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई।

जलभराव और बिजली कटौती के चलते लोगों का दैनिक कामकाज प्रभावित हुआ। खासकर दुकानदारों और विद्यार्थियों को काफी असुविधा हुई।तापमान में थोड़ी गिरावट, गर्मी से राहत मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहा था। तापमान में मामूली गिरावट आने और बारिश की वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली।स्थानीय लोगों ने नगर निकाय से मांग की है कि जल निकासी की व्यवस्था बेहतर की जाए, ताकि हर बा. रिश के साथ ऐसी स्थिति से बचा जा सके। वहीं, बिजली विभाग से भी अनुरोध किया गया कि बरसात के दौरान होने वाली फॉल्ट और ट्रिपिंग की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

प्रदेश भर में कुल 37 करोड़ से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया

इस वर्ष वन महोत्सव के दौरान श्एक पेड़ मां के नामश अभियान को विशेष बल दिया गया हैस इस अभियान के तहत लोग अपनी मां के नाम पौधे लगा रहे हैं,वहीं प्रदेश भर में कुल 37 करोड़ से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।यह संयुक्त प्रयास जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संतुलन और प्रदूषण जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटने की दिशा में अहम कदम है । इसी वन महोत्सव के श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत नगर पंचायत मडराक के कस्बा में (अलीपुर रोड, वॉर्ड 9) मडराक मंडल के पदाधिकारी बूथ अध्यक्ष व क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ पौधारोपण किया गया । इस अवसर पर मडराक मंडल महामंत्री अनिल तोमर, मंडल उपाध्यक्ष हिम्मत सिंह लोधी, शैलेंद्र सिंह,मास्टर कैलाश चंद्र कुशवाहा,केशव सिंह फौजी,बबलू सिंह,रामकिशन कुशवाहा, मोहित प्रताप सिंह,मुकेश डीलर,बंटू कुशवाहा, वीरेंद्र सिंह नागर , कौशलेंद्र कुशवाहा, लोकेश कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

बच्चा पैदा करने के लिए कितना होना चाहिए एक पुरुष में स्पर्म काउंट, जानें कैसे कर सकते हैं चेक

किसी भी दंपत्ति के जीवन में संतान सुख एक खास और महत्वपूर्ण अनुभव होता है. लेकिन जब गर्भधारण में देरी होती है या बार–बार असफल प्रयास होते हैं तो अक्सर महिलाएं ही डॉक्टर के पास पहले जाती हैं. हालांकि, प्रजनन क्षमता केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है, पुरुषों में स्पर्म काउंट और गुणवत्ता भी संतान प्राप्ति में अहम भूमिका निभाते हैं. अक्सर यह सवाल सामने आता है कि, एक पुरुष में कितना स्पर्म काउंट होना चाहिए ताकि बच्चा पैदा हो सके और अगर इसकी कमी हो तो इसे कैसे जांचा और सुधारा जा सकता है?स्पर्म काउंट क्या होता है?स्पर्म काउंट का मतलब होता है एक पुरुष के मरंबनसं. जपवद में मौजूद शुक्राणुओं की संख्या. यह आमतौर पर प्रति मिलीलीटर सीमेन में मापा जाता है. अधिक स्पर्म काउंट होने से गर्भधारण की संभावना बढ़ जाती है, जबकि कम स्पर्म काउंट प्रजनन में रुकावट पैदा कर सकता है.न्यूनतम कितना स्पर्म काउंट होना चाहिए?डॉ. सुनील जिंदल बताते हैं कि, एक स्वस्थ पुरुष में प्रति मिलीलीटर 15 मिलियन से अधिक और कुल मिलाकर 39 मिलियन से कम नहीं स्पर्म होने चाहिए. इससे कम होने पर बच्चा पैदा करने में दिक्कत हो सकती है. लेकिन सिर्फ संख्या ही नहीं, स्पर्म की गति आकार और गुणवत्ता भी गर्भधारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.?स्पर्म काउंट की जांच कैसे करें?स्पर्म काउंट की जांच एक सिंपल टेस्ट के जरिए होती है जिसे ैमउमद ।दंसलेपे कहा जाता है.इसे माइक्रोस्कोप के नीचे जांचा जाता हैरिपोर्ट में स्पर्म काउंट, उनकी गतिशीलता और आकार बताया जाता हैयह जांच किसी भी नजदीकी पैथोलॉजी लैब या प्रजनन विशेषज्ञ क्लिनिक में करवाई जा सकती हैस्पर्म काउंट बढ़ाने के उपायअगर किसी पुरुष में स्पर्म काउंट कम है तो उसे इन उपायों को अपनाना चाहिएहेल्दी डाइटरू विटामिन ब्, जिंक, ओमेगा–3 से भरपूर भोजन लें तनाव कम करेंरू अधिक तनाव हार्मोनल बैलेंस बिगाड़ सकता हैधूम्रपान और शराब से बचेंव्यायाम करना जरूरी है अगर आप संतान प्राप्ति की योजना बना रहे हैं तो पुरुष की प्रजनन क्षमता की जांच उतनी ही जरूरी है जितनी महिला की. स्पर्म काउंट कम होना एक सामान्य समस्या है, लेकिन सही जांच, जीवनशैली में सुधार और डॉक्टर की सलाह से इसे बेहतर किया जा सकता है.

प्रेग्नेंसी के आखिरी महीने में संबंध बनाने से क्या वाकई डिलीवरी में मिलती है मदद? ये रहा जवाब

गर्भावस्था का आखिरी महीना, जब इंतजार अपने चरम पर होता है और हर महिला चाहती है कि अब डिलीवरी बिना किसी जटिलता के जल्द और सामान्य रूप से हो जाए. इसी समय अक्सर घर की बुजुर्ग महिलाएं या आसपास की सलाहें यह सुझाव देने लगती हैं कि ष्अंतिम महीने में पति–पत्नी का संबंध बनाना डिलीवरी को आसान बनाता है. कुछ लोग इसे परंपरागत मानते हैं, तो कुछ इसे लेकर झिझकते हैं. लेकिन सवाल ये उठता है कि क्या वाकई गर्भावस्था के आखिरी महीने में शारीरिक संबंध डिलीवरी में मदद करता है या ये सिर्फ एक मिथ है?इस विषय को बेहतर समझने के लिए गायनोलॉजिस्ट डॉ. सोनल परिहार बताती हैं कि, इस समय च्तवेजंहसंदकपदे नामक तत्व सर्विक्स को नरम करने में सहायक हो सकते हैं, जिससे डिलीवरी की प्रक्रिया सहज हो सकती है. इसके अलावा, ऑर्गेज्म से गर्भाशय में हल्के संकुचनआ सकते हैं, जो प्राकृतिक लेबर की शुरुआत में मदद कर सकते हैं. भावनात्मक रूप से महिला को रिलैक्स महसूस होता है, जिससे हार्मोनल संतुलन बना रहता है.यह तरीका कुछ हद तक मददगार हो सकता है, लेकिन हर गर्भवती महिला के लिए यह सुरक्षित नहीं होता. डॉक्टर सोनल बताती हैं कि यदि नीचे दिए गए में से कोई स्थिति हो, तो संबंध बनाने से बचना चाहिए.प्लेसेंटा प्रिवियाप्रीमैच्योर लेबर का रिस्कएमनियोटिक फ्लूइड का रिसावदो या अधिक गर्भपात का इतिहासडॉक्टर द्वारा संबंध ना बनाने की स्पष्ट सलाहक्या यह एक भरोसेमंद उपाय है?डॉ. सोनल परिहार के अनुसार, यह तरीका कुछ महिलाओं के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसे डिलेवरी टेक्निक के तौर पर 100: कारगर नहीं माना जा सकता. यह हर महिला के शरीर और गर्भावस्था की स्थिति पर निर्भर करता है. गर्भावस्था के आखिरी महीने में संबंध बनाना डिलीवरी में मदद कर सकता है. लेकिन सिर्फ तभी, जब महिला और बच्चे की सेहत पूरी तरह से सामान्य हो और डॉक्टर की सलाह से यह किया जाए. बिना विशेषज्ञ की अनुमति के इसे आ. जमाना कभी–कभी जोखिम भरा हो सकता है

735 थी शुगर, हो गई पूरीखत्म, डायबिटीज को जड़ से मिटा देगा बाबा रामदेव का उपाय, नहीं खानी पड़ेगी दवा

एक बार डायबिटीज पकड़ ले तो फिर फूंक–फूंक कर कदम रखना पड़ता है। मरीज के दिमाग में हर पल यही सवाल चलते रहते हैं कि आखिर डायबिटीज की दवा कबतक खानी पड़ेगी, कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए या कौन से नहीं खाने चाहिए, क्या शुगर को नीचे ला सकते हैं या नहीं।यह बीमारी शरीर को अंदर से खोखला बना देती है। आपकी नसें, आंख, किडनी खराब कर सकती है। कुछ लोगों को डायलिसिस करवाने के लिए अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते हैं। आजकल यह बच्चों को भी यह बीमारी शिकार बनाने लगी है। ऐसे ही एक मामले के बारे में बाबा रामदेव ने बताया। डायबिटीज का बेस्ट इलाजरू एक बच्ची का ब्लड शुगर 735 उहकस् रहने लगा था। जिसकी वजह से उसे आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। उसे इंसुलिन भी लगाया जाता था। लेकिन फिर योग गुरु के उपाय ने उसकी डायबिटीज को पूरी तरह रिवर्स कर दिया। इस इलाज के बारे में उन्होंने वीडियो में बतायाजिंदगीभर नहीं खानी पड़ेगी दवारामदेव ने कहा कि लोगों को लगता है कि शुगर में दवा जिंदगीभर खानी पड़ेगी और गंभीर मामलों में इंसुलिन भी लेना पड़ सकता है। लेकिन आप कुछ उपायों से बीमारी को पूरी तरह रिवर्स कर सकते हैं और रोग मुक्त जीवन जी सकते हैंमात्र 2 योगासन से मिलेगा फायदायोग गुरु ने कहा कि डायबिटीज को हराने के लिए मात्र दो योगासन कर लीजिए। इन्हें आपको 10–10 मिनट करना है और असर दिखने लगेगा। आप रोज मंडूकासन और पवनमुक्तासन करना शुरू करें। इसके साथ आयुर्वेदिक जूस और जड़ी बूटी का सेवन करें।शुगर कम करने वाला जूसघर पर सब्जियों का जूस बनाकर सेवन करें। इन्हें पीने से शुगर नहीं बढ़ती और इसे कम करने में मदद मिलती है। घर पर खीरा, करेला, टमाटर का जूस बनाकर मरीजों को देंगे तो रोग को मिटाने में मदद मिलेगी।डायबिटीज के लिए चमत्कारी जड़ी बूटीआयुर्वेद में ऐसी कई सारी जड़ी बूटियां हैं, जो शुगर के लिए रामबाण साबित हो सकती हैं। यह तेजी से ब्लड ग्लूकोज को कम करती हैं और इंसुलिन की तरह काम भी करती है। इसके लिए आंवला, एलोवेरा, गिलोय, चिरायता, कुटकी, गुड़मार, विजयसार का उपयोग कर सकते हैं।हाई ब्लड शुगर का परमानेंट इलाजइंसुलिन बनाने वाला पौधाबाबा रामदेव ने एक ऐसे पौधे का नाम भी बताया, जो इंसुलिन का काम करता है। इसका नाम रतपितिया है, जिसे रतपतिया या साइंटिफिक नाम एजुजा इंटेग्रीफोलिया भी कहते हैं। कई सारे शोधों में भी इसे वैज्ञानिकों ने डायबिटीज के खिलाफ असरदार माना है।

नहाने से पहले शरीर पर नमक रगड़ने से क्या होता है? जान लीजिए जवाब

क्या आपने कभी सुना है कि नहाने से पहले अगर शरीर पर नमक रगड़ा जाए तो त्वचा को चमत्कारी फायदे मिलते हैं? आजकल सोशल मीडिया और घरेलू नुस्खों की दुनिया में ये बात तेजी से वायरल हो रही है कि ष्नमकष् सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि स्किन केयर के लिए भी बेहद फायदेमंद है. कई लोग इसे डिटॉक्स, स्किन एक्सफोलिएशन और एनर्जी बैलेंस का देसी तरीका भी मानते हैं. लेकिन सवाल उठता है कि क्या नमक सच में स्किन के लिए अच्छा है या यह सिर्फ एक भ्रम है? इसी विषय पर स्किन स्पेशलिस्ट हिमांशु ग्रोवर ने बताया कि, नहाने से पहले नमक लगाने से शरीर और त्वचा को क्या फायदे हो सकते हैं.नमक से स्किन पर रगड़ने का क्या मतलब होता है?आमतौर पर लोग सेंधा नमक या समुद्री नमक को थोड़ा सा पानी या ऑयल में मिलाकर स्किन पर हल्के हाथों से रगड़ते हैं. इसे Salt Scrub Therapy कहा जाता है, जो स्किन एक्सफोलिएशन यानी मृत त्वचा को हटाने के लिए किया जाता है. नमक में प्राकृतिक मिनरल्स होते हैं जो त्वचा को साफ करने, डेड स्किन हटाने और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद करते हैं. अगर सही तरीके से और सीमित मात्रा में इस्तेमाल किया जाए, तो यह स्किन के लिए फायदेमंद हो सकता है.डेड स्किन हटती हैनमक एक नैचुरल एक्सफोलिएटर है, जो त्वचा की ऊपरी परत की मरी हुई कोशिकाओं को हटाता है.ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता हैरगड़ने से त्वचा की सतह पर रक्त का प्रवाह तेज होता है, जिससे त्वचा में निखार आता है.स्किन टोन सुधरती हैनियमित उपयोग से त्वचा की रंगत साफ होती है और दाग–धब्बे हल्के हो सकते हैं.तनाव कम करता हैनमक में मौजूद मैग्नीशियम और मिनरल्स त्वचा से अवशोषित होकर शरीर को रिलैक्स करते हैं.डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता हैत्वचा के रोमछिद्र खुलते हैं और शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैंकब न करें नमक का इस्तेमालअगर त्वचा पर कट, घाव या जलन हो तो नमक से स्किन पर जलन बढ़ सकती है.बहुत ज्यादा रगड़ना स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है.ड्राई स्किन वालों को नमक के साथ मॉइस्चराइजिंग ऑयल मिलाकर प्रयोग करना चाहिए.

गर्भावस्था में शिवलिंग पूजा करें या नहीं? जानें नियम और लाभ!

गर्भावस्था के दौरान पूजा–पाठ के माध्यम से आध्यात्म से जुड़े रहना शुभ माना जाता है. इससे गर्भ में पल रहे शिशु पर भी सक. ारात्मक प्रभाव पड़ता है. कहा भी जाता है कि, गर्भवती महिला गर्भावस्था के दौरान जैसा आचरण रखेगी, वैसा ही असर बच्चे पर भी पड़ेगा. इसलिए धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि गर्भवती महिला को पूजा–पाठ में मन लगाना चाहिए, मंत्रोच्चारण करना चाहिए और गीता का पाठ करना चाहिए. लेकिन बात करें शिवलिंग पूजन की तो, शास्त्रों में शिवलिंग पूजा के कुछ नियम बताए गए हैं, जिसका पालन सभी को करना चाहिए. प्रेग्नेंसी के दौरान देवी–देवताओं की पूजा अवश्य करनी चाहिए. इससे दैवीय शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है. लेकिन बात करें शिवलिंग पूजन की तो, कुछ लोगों का मानना है कि गर्भवती महिला को शिवलिंग पूजा नहीं करनी चाहिए. आइए ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास से जानते हैं इस संबंध में क्या कहता है शास्त्र–गर्भावस्था में शिवलिंग पूजन करना सही या गलतज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, शिवजी की पूजा से भक्तों को हर तरह की समस्या का समाधान मिलता है, सुरक्षा और शांति मिलती है. साथ ही शिवजी की पूजा में अत्यंत कठोर नियमों का पालन भी नहीं करना पड़ता, क्योंकि भोले भंडारी तो भक्ति–भाव से ही प्रसन्न हो जाते हैं. इसलिए गर्भवती महिलाएं शिवलिंग पूजन कर सकती हैं. आप अपनी सेहत को ध्यान में रखकर सरल विधि से भी शिवलिंग पूजन कर सकती हैं. यदि आप सच्चे मन से एक लोटा शुद्ध जल भी शिवलिंग पर चढ़ा देंगी तो महादेव की कृपा आप पर जरूर बरस. ेगी. बात करें शास्त्रों की तो, शास्त्रों में गभ. ावस्था के दौरान शिवलिंग पूजन करने की कोई मनाही नहीं है.गर्भावस्था में शिवलिंग पूजन करने के लाभप्रेग्नेंसी के दौरान महिला के शरीर के साथ ही मानसिक विचारों में भी बदलाव आते हैं. इस समय महिला कभी अधिक तनाव का अनुभव करती है तो कभी अधिक भावुक हो जाती है. ऐसे में इस समय शिवलिंग पूजन करने से मानसिक शांति मिलेगी, चिंता कम होगी और भावनात्मक विचारों में कमी आएगी. प्रेग्नेंसी के दौरान शिवलिंग पूजन करने से नकारात्मक ऊर्जा का साया भी आपके बच्चे पर नहीं पड़ेगा और ग्रह–दोषों से मुक्ति मिलेगी. इससे मां और बच्चा दोनों की मान. सिक और शारीरिक स्थिति अच्छी रहेगी. इस विधि से करें पूजनयह स्पष्ट है कि, गर्भवास्था में महिला शिवलिंग पूजन कर सकती है और इसमें किसी तरह की कोई मनाही नहीं है. लेकिन इस अवस्था में आपको पूजा करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे– अधिक समय तक खड़े रहकर पूजा न करें. बल्कि आराम से बैठकर पूजा करें. अगर आप जमीन पर बैठने में असमर्थ है तो कुर्सी या छोटी टेबल पर भी बैठकर पूजा कर सकती हैं. प्रेग्नेंसी के दौरान आप बगैर कठिन उपवास या निर्जला व्रत के बिना भी शिवलिंग पर जल चढ़ा सकती हैं. अगर घर से मंदिर दूर हो या मंदिर में अधिक सीढ़िया चढ़नी हो तो आप घर पर भी छोटी सी शिवलिंग स्थापित कर पूजा कर सकती हैं.

क्या सच में गंदे जुराब सुंघाने से खत्म हो जाता है मिर्गी का दौरा? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

कोई व्यक्ति मिर्गी के दौरे से जूझ रहा है और लोग उसे अस्पताल ले जाने की बजाय उसके नाक के पास गंदे जुराब ले जाकर सुंघा देते हैं. यह सुनने में जितना अजीब लगता है, हाल ही में सोशल मीडिया पर यह उतना ही वायरल भी हो गया है. कई लोगों का मानना है कि गंदे जुराब की तीखी बदबू मिर्गी के दौरे को रोक सकती है. लेकिन क्या इस दावे में कोई सच्चाई है? क्या यह कोई परंपरागत देसी तरीका है या फिर सिर्फ एक अफवाह?इस अजीबोगरीब सलाह को लेकर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आराधना चौहान से नेबतायाकि, वास्तव में इस तरह की मान्यताओं में कितनी सच्चाई है. आइए जानते हैं कि मिर्गी के दौरे के पीछे क्या कारण होते हैं और क्या वाकई गंदे जुराब सुंघाना कोई असर करता है या नहीं. "मिर्गी के दौरे के दौरान व्यक्ति का मस्तिष्क असामान्य तरंगें उत्पन्न करता है. गंदे जुराब की बदबू से व्यक्ति के होश में आने की संभावना हो सकती है, लेकिन यह इलाज नहीं है. यह तरीका चिकित्सा की दृष्टि से न तो सुरक्षित है और न ही विश्वसनीय है. अधिकतर एक मिथक या घरेलू ट्रिक जैसा है, जो कुछ लोगों द्वारा आजमाया गया होगा, लेकिन इसके पीछे कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है.क्यों यह तरीका खतरनाक हो सकता है?गंदे जुराब में मौजूद बैक्टीरिया से संक्रमण हो सकता हैव्यक्ति की स्थिति और बिगड़ सकती है अगर दौरे के दौरान उसे गलत तरीके से हैंडल किया जाएयह असली इलाज को टालने जैसा है, जो मरीज के लिए घातक हो सकता हैबदबू से होश आना संभव है, लेकिन यह दौरे को रोकने का इलाज नहीं हैमिर्गी के दौरे के समय क्या करना चाहिए?व्यक्ति को किसी सुरक्षित जगह ले जाएं और उसे करवट से लिटाएंसिर के नीचे कुछ नरम रखेंमुंह में कुछ न डालेंदौरा रुकने तक प्रतीक्षा करें और फिर जरूरत पड़े तो डॉक्टर को बुलाएंअगर दौरा 5 मिनट से अधिक चले तो तुरंत एम्बुलेंस बुलाएंगंदे जुराब सुंघाकर मिर्गी का दौरा रोकना एक मिथक है, जिसका कोई वै. ज्ञानिक आधार नहीं है. यह तरीका लोगों की अज्ञानता का प्रतीक हो सकता है, लेकिन इसके पीछे कोई वास्तविक इलाज नहीं छिपा. ऐसे में बेहतर होगा कि मिर्गी को गंभीरता से लें और चिकित्सकीय सलाह वपर ही भरोसा करें.

परंपरा का भव्य मिलन अनंत–राधिका की शादी ने दुनियाभर में भारतीय रीति–रिवाजों को किया रोशन

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी केवल एक शानदार आयोजन नहीं था, बल्कि यह भारतीय परंपराओं का सबसे शुद्ध और भावपूर्ण उत्सव था, जहां कई आधुनिक शादियां सुविधा के लिए रीति–रिवाजों को संक्षिप्त कर देती हैं, वहीं अंबानी और मर्चेंट परिवारों ने हर पवित्र रस्म का पालन कर भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाया. हिंदू परंपरा में विवाह केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि एक दैवीय बंधन है. एक भावनात्मक, आध्यात्मिक और साम. ुदायिक रिश्ता जो धर्म (कर्तव्य) और सामा. जिक सद्भाव को बनाए रखता है. इस जोड़े का प्राचीन रीति–रिवाजों का पूरी तरह पालन करने का निर्णय विश्व के लिए एक मजबूत संदेश थारू विरासत मायने रखती है. प्रेम को रीति–रिवाजों के प्रति श्रद्धा के माध्यम से व्यक्त किया जा सकता है.जैसे–जैसे समारोह आगे बढ़े, आध्यात्मिक गुरुओं और बुजुर्गों की उपस्थिति ने इस आयोजन को चकाचौंध से परे एक गहरे आयाम प्रदान किया.सितारों से सजा अनूठा उत्सव12 जुलाई को यह जोड़ा मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में शादी के बंधन में बंधा. अतिथि सूची में वैश्विक सितारों की मौजूदगी ने इस शादी को ष्भारत की वर्ष की शादीष् के रूप में सही मायने में स्थापित किया. बॉलीवुड, व्यापार, राजनीति और वैश्विक पॉप संस्कृति के दिग्गज इस उत्सव में शामिल होने के लिए उमड़े. शाहरुख खान और सलमान खान से लेकर किम कार्दशियन और टोनी ब्लेयर तक, इस आयोजन ने विभिन्न महाद्वीपों के प्रतीकों को एकजुट किया. शानदार उत्सव में पारंपरिक संगीत, हल्दी समारोह, नृत्य और प्रार्थना अनुष्ठानों का समावेश था, जो प्राचीन रीति–रिवाजों का सम्मान करते थे. वैश्विक स्तर पर फैला उत्सवउत्सव केवल शादी के दिन तक सीमित नहीं थे. यह महीनों पहले शुरू हो चुके थे. पहला प्री–वेडिंग समारोह गुजरात के जामनगर में हुआ, जहां रिहाना ने आठ साल बाद अपना पहला पूर्णकालिक कॉन्सर्ट दिया. मे. हमानों ने अनंत अंबानी द्वारा स्थापित पशु बचाव केंद्र वंतारा का दौरा भी किया, जहां वे ष्जंगल फीवरष् परिधानों में सजे थे. मई में शादी का जश्न एक शानदार मेडिटेरेनियन क्रूज पर निकला, जिसमें बैकस्ट्रीट बॉयज, केटी पेरी और पिटबुल के आश्चर्यजनक प्रदर्शन शामिल थे. मुख्य आयोजन से पहले अंबानी परिवार ने 50 से अधिक वंचित जोड़ों की सामूहिक शादी का आयोजन किया, जिसने इस भव्यता में परोपकारी स्पर्श जोड़ा. शादी से पहले के दिनों में संगीतमय रातें, मेहंदी उत्सव और 11 जुलाई को हल्दी रस्म जैसे आयोजन

भक्ति और आनंद से भरे रहे. जस्टिन बीबर के विशेष प्रदर्शन के साथ–साथ आलिया भट्ट, सलमान खान और रणवीर सिंह जैसे बॉलीवुड सितारों ने आध्यात्मिक गहराई के साथ मनोरंजन का तड़का लगाया.परंपरा, प्रेम और वैश्विक आकर्षण का संदेशवैश्विक टिप्पणियों में आयोजन के पैमाने और खर्च पर चर्चा हुई, लेकिन इस शादी ने एक और कारण से गूंज पैदा की. भारतीय परंपराओं के प्रति इसकी निष्ठा और विश्व भर के लोगों को एकजुट करने की क्षमता. ऐसे युग में जब आधुनिकता अक्सर सांस्कृतिक जड़ों को ओवर शैडो कर देती है, अंबानी–मर्चेंट की शादी ने भारतीय विवाह की पवित्र और उत्सवपूर्ण भावना को सभी को याद दिलाया.

कामिका एकादशी 20 या 21 जुलाई कब ? सही तारीख जान लें

सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कामिका एकाशी के नाम से जाना जाता है. इस एकादशी व्रत को करने से वाजपेय यज्ञ के फल की प्राप्ति होती है. कामिका एकादशी के उपवास में शङ्ख, चक्र, गदाधारी भगवान विष्णु का पूजन होता है. इसके फल से व्यक्ति को विष्णु लोक की प्राप्ति होती है ऐसी मान्यता है.इस साल कामिका एकादशी की डेट को लेकर कंफ्यूजन हो रहा है तो यहां जान लें सही तारीख और मुहूर्तकामिका एकादशी 20 या 21 जुलाई 2025 कब ?कामिका एकादशी व्रत उदयातिथि से किया जाता है. सावन के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी तिथि 20 जुलाई 2025 को दोपहर 12.12 पर शुरू होगी और इसका समापन 21 जुलाई 2025 सुबह 9.38 पर होगा.ऐसे में इस साल कामिका एकादशी व्रत 21 जुलाई 2025 को किया जाएगा. ये व्रत सूर्योदय से शुरू होकर 24 घंटे बाद सूर्योदय के बाद खत्म होता है. इसका पारण अगले दिन द्वादशी तिथि पर उगते सूरज के बाद ही किया जाता है.कामिका एकादशी 2025 मुहूर्तअमृत – सुबह 5.36 – सुबह 7.19शुभ – सुबह 9.02 – सुबह 10.45व्रत पारण समय – 22 जुलाई को सुबह 5.37 से सुबह 7.05 के बीच किया जाएगा.कामिका एकादशी व्रत से नहीं होते यमराज के दर्शनशास्त्रों के अनुसार कामिका एकादशी उपवास के करने से मनुष्य को न यमराज के दर्शन होते हैं और न ही नरक के कष्ट भोगने पड़ते हैं. वह स्वर्ग का अधिकारी बन जाता है. मनुष्यों को अध्यात्म विद्या से जो फल प्राप्त होता है, उससे अधिक फल कामिका एकादशी का व्रत करने से मिल जाता है. कामिका एकादशी पर क्यों करते रात्रि जागरण ?काशास्त्रों के अनुसार कामिका एकादशी की रात्रि को जो मनुष्य जागरण करते हैं तथा दीप–दान करते हैं, उनके पुण्यों को लिखने में चित्रगुप्त भी असमर्थ हैं. इस व्रत के करने से ब्रह्महत्या आदि के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं तथा इहलोक में सुख भोगकर प्राणी अन्त में विष्णुलोक को जाते हैं.

क्या सावन में नॉनवेज खाना पाप है ? जानें शास्त्र और विज्ञान क्या कहते हैं

आज से सावन की शुरुआत हो चुकी है. इस साल सावन 29 दिन का होगा. श्रावण का महीना उतना ही पवित्र माना जाता है जितने की नवरात्रि के नौ दिन. यही वजह है कि इस पवित्र माह में खान–पान, पूजा, पाठ और व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है,क्योंकि ऐसा न करने पर जीवन में न सिर्फ आर्थिक, मानसिक बल्कि शारी. रिक रूप से भी परेशान होना पड़ता है. आखिर सावन के महीने में नॉनवेज क्यों नहीं खाना चाहिए ? इसके पीछे क्या है शास्त्रीय और वैज्ञानिक कारण आइए जानते हैं.सावन में नॉनवेज न खाने का धार्मिक कारणसावन में शुद्धता और पवित्रता का खास ख्याल रखा जाता है, क्योंकि ये महीना भोलेनाथ को समर्पित है. ज्योतिष की दृष्टि से देखें तो जब व्यक्ति की इंद्रियां काबू में होती हैं तब वह ईश्वर से संपर्क साधने में कामयाब होता है, पूजा–पाठ से उसका मन नहीं भटकता है. नॉनवेज तामसिक भोजन है, जो सुस्ती, आलस्य, अहंकार, क्रोध और अज्ञानता को बढ़ावा देता है.ऐसे में सावन के दौरान संत. ुलित भोजन न किया जाए तो व्यक्ति अपनी इंद्रियों पर काबू नहीं रख पाता और पूजन में अवरोध पैदा होने लगते हैं. व्यक्ति आध्यात्म से भटक जाता है. यही वजह है कि सावन में नॉनवेज नहीं खाते हैं. कुछ मान्यताओं के अनुसार बारिश के कारण सावन महीने में खाने की अधिकतर चीजें में जीव आ जाते हैं और धार्मिक नजरिए से जीव की हत्या कर उसे खाना पाप की श्रेणी में आता है.सावन में नॉनवेज न खाने का वैज्ञानिक कारणसावन में नॉनवेज नहीं खाने के पीछे वैज्ञानिक तर्क भी है. सावन जुलाई या अगस्त में आता है. इस दौरान बारिश अधिक रहती है जिसके कारण खाने की चीजों में फंगस का खतरा बढ़ने लगता है. इसके सेवन से व्यक्ति की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है. एक्सपर्ट के मुता. बिक सावन में सामान्य दिनों के मुकाबले नॉनवेज सड़ने की प्रक्रिया तेज हो जाती है. जैसे जो चीज 6 घंटे सही रहती है वो 4 घंटे में ही खराब हो जाती है. इसके अलावा बारिश में पाचन शक्ति कमजोर होती है और नॉनवेज काफी भारी (गरिष्ठ) होता है जो पचाने में मुश्किल होता है. यही वजह है कि सावन में नॉनवेज का त्याग करने की सलाह दी जाती है.

सावन का पहला रविवार बेहद शुभ, जानें शुभ योग, महत्व, विधि और उन्नति के लिए खास उपाय

श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया को रविवार का दिन पड़ रहा है और इस बार यह शुभ तिथि 13 जुलाई को है. इस दिन शनि मीन राशि में वक्री होने वाले हैं, वहीं चंद्रमा शाम के 06 बजकर 53 मिनट तक मकर राशि में विराजमान होंगे, इसके बाद कुंभ राशि में संचार कर जाएंगे. साथ ही सावन के पहले रविवार को भद्रा का साया भी रहने वाला है. सावन का पहला रविवार होने की वजह से इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है.सावन के पहले रविवार को अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 59 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा. राहुकाल का समय शाम के 05 बजकर 38 मिनट से शुरू होकर 07 बजकर 21 मिनट तक चलेगा. दृक पंचांग के अनुसार, रविवार के दिन भद्रा का समय सुबह 05 बजकर 56 मिनट से शुरू होकर रात के 10 बजकर 42 मिनट पर खत्म हो जाएगा. वहीं, त्रिपुष्कर योग का समय रात के 09 बजकर 14 मिनट से शुरू होकर रात के 10 बजकर 42 मिनट तक रहेगा. साथ ही रवि योग का समय सुबह 05 बजकर 56 मिनट से शुरू होकर रात के 10 बजकर 42 मिनट तक रहेगा.अग्नि और स्कंद पुराणों के अनुसार, सावन के पहले रविवार के दिन व्रत रखने से सुख, समृद्धि, आरोग्य, मोक्ष, प्रतिष्ठा, मान–सम्मान और आत्मबल की प्राप्ति होती है. व्रत को आप किसी भी मास के शुक्ल पक्ष के पहले रविवार से शुरू कर सकते हैं. यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए फलदायी है जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर है. ज्योतिषीय दृष्टिकोण से सूर्य आत्मा, पिता, सरकारी कार्य, उच्च पद, तेज, नेत्र और राज्याधिकार का कारक ग्रह हैं. अगर कुंडली में सूर्य नीच का, दुष्ट ग्रहों से पीड़ित, या आठवेंध्छठे भाव में हो, तो यह व्रत ग्रह दोष निवारण में कारगर होता है. रविवार व्रत से जातक को सरकारी कार्यों में सहयोग, प्रशासनिक क्षेत्र में पदोन्नति, तथा राजकीय सम्मान की प्राप्ति होती है. व्रत शुरू करने के लिए आप सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें, उसके बाद एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, फिर व्रत कथा सुनें और सूर्य देव को तांबे के बर्तन में जल भरकर उसमें फूल, अक्षत और रोली डालकर सूर्य देव को अर्घ्य दें. ऐसा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है. इसके अलावा रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने और सूर्य देव के मंत्र ऊं सूर्याय नमः या ऊं घृणि सूर्याय नमः का जप करने से भी विशेष लाभ मिलता है.रविवार के दिन गुड़ और तांबे के दान का भी विशेष महत्व है. इन उपायों को करने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है. साथ ही जीवन में सुख–समृद्धि और सफलता मिलती है. एक समय भोजन करें, जिसमें नमक का सेवन न करें. गरीबों को दान करें. रविवार के दिन काले या नीले रंग के कपड़े पहनने से बचना चाहिए. इस दिन मांस–मदिरा का सेवन, झूठ बोलना, किसी का अपमान करना, बाल या दाढ़ी कटवाना, तेल मालिश करना और तांबे के बर्तन बेचना भी वर्जित माना गया है. व्रत का उद्यापन 12 व्रतों के बाद किया जाता है.

बरेली में यहां है एक चमत्कारी जिंद बाबा मंदिर, एक अर्जी से पूरी होती है हर मुराद

बरेली का यह मंदिर बेहद चमत्कारी है. जिंद बाबा के दर्शन मात्र से पुरी हो जाती है. हर मन्नत, दूर हो जाता है.ऊपरी हवाओं का चक्कर, नाथनगर बरेली के जिंद बाबा मंदिर का यह चमत्कार सुन आप लोग भी दंग रह जाएंगे. इस मंदिर में मौजूद महाराज के पास है जादुई शक्तियां, हर मनोकामना करते हैं. पूरी,पूजा करने के लिए लगती है. सोमवार के दिन भक्तों की लंबी लाइन लगती है.नाथनगर बरेली के कई रहस्यमई मंदिरों की अपनी अलग–अलग महिमा और मान्यता है. इन्हीं में से एक मंदिर का नाम जिंद बाबा मंदिर है. यह मंदिर बरेली शहर के 100 फूटा चौराहा पीलीभीत बाईपास स्थित, चौराहा के पास बना हुआ है. इस मंदिर की मान्यता यह है कि यदि कोई भी भक्त सोमवार के दिन यहां सच्चे मन से अपनी अर्जी लगता है. बाबा उसकी मनोकामनाएं अवश्य पूरी करते हैं. अगर किसी भक्त पर ऊपरी हवाएं का साया है. उसका भी उपचार सोमवार के दिन होने वाली विशेष पूजा अर्चना करने के बाद होता है. यहां सोमवार के दिन सभी भक्तों की अर्जी लगाई जाती है.इस मंदिर का नाम जिद बाबा मंदिर है. यहां जिंद बाबा नाम के एक महाराज जी है जो कि अपना आसन लगाकर इस मंदिर में बैठते हैं. इस मंदिर में आने वाले सभी भक्तों की अर्जी सुनकर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए सा. ेमवार के दिन विशेष पूजा अर्चना की जाती है. ऊपरी हवाओं का चक्कर जिन भक्तों पर होता है. उनकी भी अर्जी दर्शन मात्र से उनकी सभी प्रकार की समस्याएं दूर हो जाती है.हर मनोकामना पूरी होती है. जिंद बाबा मंदिर के सेवादार सुभाष ने लोकल18 से कहा कि यहां अर्जी लगाने के लिए भक्त आते हैं. अपनी मनोकामना महाराज जी के सामने रखते हैं. जिंद महाराज उन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं. यहां पर बड़ी संख्या में भक्ति भंडारा करने के लिए भी आते हैं. जिन भक्तों की बाबा मुराद पूरी करते हैं. उनके ऊपर किसी प्रकार की ऊपरी हवाओं का साया होता है. उनकी समस्या को हल करते हैं.तो वह अपना वचन पूरा होने पर इस मंदिर में आकर भंडारा एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भी लोग और श्रद्धालु बड़ी संख्या में करते हैं. जिंद महाराज जी के पास हर तरह के भक्त अर्जी लगाने के लिए आते हैं. इनमें रोगों से ग्रसित,भूत पिशाच के वश में आने वाले और कई तरह के भक्त पहुंचते हैं. यहां अर्जी लगाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं बस अपने कार्य को बनाने के लिए भक्त कुछ ना कुछ संकल्प लेकर महाराज जी के सामने अपनी मनोकामना लेकर आते हैं. सोमवार के दिन विशेष पूजा अर्चना कर अपनी अर्जी जिंद बाबा महाराज के सामने लगते हैं.

धरती पर नहीं है शिव की नगरी काशी, जानें काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की पूजा और दर्शन का महत्व

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग भगवान शिव की नगरी काशी में स्थित है. पवित्र गंगा नदी के पश्चिमी तट पर बारह ज्योतिर्लिंग में से एक देवों के देव महादेव काशी में ज्योति स्वरूप में विराजते हैं. उनके निवास स्थान को मोक्ष की नगरी के नाम से जाना जाता है. उनको बाबा विश्वनाथ या बाबा विश्वेश्वर कहा जाता है. शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है, जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है. सावन में काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजा के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती है.इस नगरी के बारे में कहा जाता है कि यह इस धरती की हिस्सा नहीं है. काशी तो शिव के त्रिशूल पर बसी है. ऐसे में इस मोक्ष की नगरी और पाप नाशिनी भी कहा जाता है. इस नगरी के बारे में पुराणों में वर्णित है कि यह भगवान विष्णु की नगरी थी. यहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, जहां भगवान के आनंद के आंसू गिर थे, वहां सरोवर बन गया. जहां प्रभु 'बिंधुमाधव' के रूप में पूजे गए. कहते हैं कि शिव को यह नगरी इतनी भा गई कि उन्होंने भगवान श्रीहरि से इसे अपने निवास के लिए मांग लिया.काशी विश्वनाथ के इस मंदिर को कई बार आक्रांताओं के द्वारा छिन्न–भिन्न करने की कोशिश की गई लेकिन, हिंदू आस्था हर बार इतनी ताकतवर रही कि मंदिर का निर्माण फिर से भव्य तरीके से कर दिया गया. वहीं काशी विश्वनाथ के साथ इस नगरी में शिव के गण और पार्वती के अनुचर भैरव काशी के कोतवाल के रूप में विराजते हैं. ऐसे में काशी विश्वनाथ के दर्शन से पहले भैरव के दर्शन की परंपरा है. मंदिरों के इस शहर की हर गलियां सनातन की समृद्ध परंपरा की गवाही है. यह मोक्ष की नगरी है ऐसे में लोग काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने आते हैं.वैसे भी पौराणिक और ऐतिहासिक तथ्यों पर गौर करें तो वाराणसी दुनिया का सबसे प्राचीन शहर है. विश्व के सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद में भी काशी का जिक्र मिलता है. वहीं महाभारत और उपनिषद में भी इसके बारे में वर्णित है. यहां काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में बाबा का ज्योतिर्लिंग ईशान कोण में स्थित है, जो दिशा शास्त्र और वास्तु के अनुसार विद्या, कला, साधना और ब्रह्मज्ञान का प्रतीक है. ईशान कोण में शिव का वास यह दर्शाता है कि यहां भगवान का नाम केवल शंकर ही नहीं, ईशान के रूप में विद्या और तंत्र का अधिपति स्वरूप भी है.काशी में है शिव–शक्ति का दुर्लभ संयोग यहां काशी में बाबा विश्वनाथ और मां भगवती हर पल विराजते हैं. मां भगवती यहां अन्नपूर्णा के रूप में हर जीव का पोषण करती हैं और बाबा विश्वनाथ मृत्यु के उपरांत आत्मा को तारक मंत्र देकर मुक्ति प्रदान करते हैं. यह शिव–शक्ति का दुर्लभ संयोग काशी को दिव्यता, पूर्णता और सनातन ऊर्जा का स्रोत बनाता है. समस्त पापों से मुक्ति देते हैं बाबा विश्वनाथयहां मंदिर का मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है और बाबा का मुख उत्तर दिशा की ओर अर्थात अघोर दिशा में स्थित है. जब भक्त मंदिर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसे शिव के अघोर रूप के दर्शन होते हैं. जो समस्त पापों, तापों और बंधनों को नष्ट कर देने की शक्ति रखते हैं. महादेव के इस ज्योतिर्लिंग को लेकर द्वादश ज्योतिर्लिंग स्त्रोत में लिखा गया है.सानन्दमानन्दवने वसन्तमानन्दकन्दं हतपापवृन्दम्.वाराणसीनाथमनाथनाथं श्रीविश्वनाथं शरणं प्रपद्येजो स्वयं आनन्दकन्द हैं और आनंदपूर्वक आनन्दवन (काशीक्षेत्र) में वास करते हैं, जो पाप समूह के नाश करने वाले हैं, उन अनाथों के नाथ काशीपति श्री विश्वनाथ की शरण में मैं जाता हूं.काशी विश्वनाथ के पास हैं देवी अन्नपूर्णा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, देवी अन्नपूर्णा का महत्वपूर्ण मंदिर है, जिसे "अन्न की देवी " माना जाता है. वहीं सिंधिया घाट के पास, 'संकट विमुक्ति दायिनी देवी' देवी संकटा का एक महत्वपूर्ण मंदिर है. इसके परिसर में शेर की एक विशाल प्रतिमा है. इसके अलावा यहां 9 ग्रहों के नौ मंदिर हैं.वहीं विशेसरगंज में हेड पोस्ट ऑफिस के पास वाराणसी का महत्वपूर्ण एवं प्राचीन मंदिर है. भगवान काल भैरव जिन्हें 'वाराणसी के कोतवाल' के रूप में माना जाता है, बिना उनकी अनुमति के कोई भी काशी में नहीं रह सकता है. यहीं कालभैरव मंदिर के निकट दारानगर के मार्ग पर भगवान शिव का मृत्युंजय महादेव मंदिर स्थित है. इस मंदिर का पानी कई भूमिगत धाराओं का मिश्रण है और कई रोगों को नष्ट करने के लिए उत्तम है.शिव की इस नगरी में तुलसी मानस मन्दिर भी है. यह मंदिर भगवान राम को समर्पित है, यह उस स्थान पर स्थित है जहां रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास रहते थे, जहां उन्होंने इस ग्रंथ की रचना की थी. वहीं पास में दुर्गा मंदिर स्थित है जो शक्ति को समर्पित है. यहां मां दुर्गा कुष्मांडा स्वरूप में विद्यमान हैं. इसके साथ ही यहां भगवान हनुमान का प्रसिद्ध मंदिर संक. टमोचन मन्दिर स्थित है. यह मंदिर गोस्वामी तुलसीदास द्वारा स्थापित किया गया है.हालांकि इसके अलावा काशी की हर गली में मंदिरों की पूरी–पूरी श्रृंखला मौजूद है. ऐसे ही नहीं काशी को 'मंदिरों का शहर', 'भारत की पवित्र नगरी', 'भारत की धार्मिक राजधानी' आदि नामों से जाना जाता है.

हरियाली तीज पर महिलाएं अपनी राशि अनुसार करें उपाय, रिश्ते में आएगी मजबूती

हरियाली तीज अर्थात अखंड सौभाग्य पाने वाला व्रत. हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है, साथ ही इस व्रत के प्रताप से व्रतकर्ता मि. हलाओं के अनिष्ट ग्रहों की भी शांति स्वतः हो जाती है. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार हरियाली तीज के दिन स्त्रियों को राशि अनुसार कुछ विशेष उपाय करना चाहिए. इससे दोगुना फल मिलता है. इस साल हरियाली तीज 27 जुलाई 2025 को है.हरियाली तीज पर राशि अनुसार उपायमेष राशि – मेष राशि पर अभी शनि की साढ़ेसाती चल रही है. ऐसे में हरियाली तीज के दिन स्त्रियां शिवलिंग पर गंगाजल में काले तिल मिलाकर जरुर चढ़ाएं. मान्यता है इससे शनि के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिलती है.वृषभ राशि – वृष राशि की महिलाओं को हरियाली तीज पर दूध और दही से महादेव का अभिषेक करना चाहिए साथ ही वट वृक्ष का पेड़ मंदिर में लगाएं. कहते है इससे संतान और पति को लंबी आयु का वरदान मिलता है.मिथुन राशि – मिथुन राशि की स्त्रियां हरियाली तीज के दिन सुहागिनों को सुहाग की सामग्री भेंट करें. साथ ही बेलपत्र का पेड़ घर में लगाएं. ये उपाय जीवन में तमाम दुखों से छुटकारा दिलाता है.कर्क राशि – कर्क राशि की महिलाएं इस दिन महादेव को एक मुठ्ठी चावल चढ़ाएं और दान में चावल दें. इससे धन संबंधी समस्या का समाधान होता है. सिंह राशि– सिंह राशि वालों को पति की लंबी आयु के लिए और अच्छे स्वास्थ के लिए इस दिन शिवलिंग पर गेहूं चढ़ाना चाहिए और किसी मंदिर में पीपल का पौधा लगाएं.कन्या राशि – कन्या राशि वाली स्त्रियां धतूरा और उसका फल शिवलिंग पर अर्पित करें, इस दौरान शिव का द्वादश मंत्र जपें. इस उपाय के फल स्वरूप व्यक्ति को तरक्की की प्राप्ति होती है.तुला राशि – तुला राशि के महिलाएं शिवलिंग पर गुलाब के फूल चढ़ा सकते हैं. साथ ही माता पार्वती को सुहाग का सामान भेंट करें.वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि की स्त्रियां हरियाली तीज के दिन भोग में खीर अर्पित करें और फिर इसे कन्याओं में बांट दें.धनु राशि – धनु राशि पर शनि की ढैय्या चल रही है. ऐसे में आप हरियाली तीज पर काली उड़द, जूते चप्पल का दान देंमकर राशि – मकर राशि की महिलाओं को हरियाली तीज वाले दिन चीटियों को शक्कर मिला आटा जरुर खिलाना चाहिए. इससे पितर और देव दोनों प्रसन्न होते है. कुंभ राशि – कुंभ राशि की स्त्रियां इस दिन पंचामृत के अभिषेक करें और फिर शिव चालीसा का पाठ करें. शनि की साढ़ेसाती की अशुभता दूर होती है.मीन राशि – मीन राशि की महिलाओं को हरियाली तीज के दिन पार्वती चालीसा का पाठ करना चाहिए. वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानी का अंत होता है.